

स्थापित करता है ? समझाइये।

PHILOSOPHY

Group-A- Paper - I (iii) Philosophy of Religion

Time allowed : Three hours

Maximum Marks : 100

Part-A

1. Define the following concepts :
निम्नलिखित समप्रत्ययों को परिभाषित कीजिये :
(i) Theology. धर्मशास्त्र। (ii) Pantheism. सर्वेश्वरवाद।
(iii) Evil. अशुभ। (iv) Virtue. सद्गुण।
(v) Universal Religion. सार्वभौम धर्म। (vi) Value. मूल्य।
(vii) Determinism. नियतिवाद। (viii) Ultimate cause आदि कारण।
(ix) Creator. सृष्टिकर्ता (x) Faith. श्रद्धा।

Part-B

2. Difference between religion and morality.
धर्म और नैतिकता में अन्तर बताइये।
3. Explain Almightyness of God.
ईश्वर की सर्वशक्तिमत्ता को समझाइये।
4. Write short note on Atheism.
अनीश्वरवाद पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।
5. Moral argument of Kant regarding existence of God.
कान्ट का ईश्वर के अस्तित्व सम्बन्धी नीति प्रमाण।
6. What is difference between Value and Virtue? Explain.
मूल्य एवं सद्गुण में क्या भेद है ? समझाइये।

Part-C

Unit-I

7. Discuss the role of Philosophy of Religion and bring out its importance.

धर्मदर्शन की भूमिका का विवेचन कीजिये और इसके महत्व को बताइये।

Or

Discuss Theism. How does it differ from Monotheism?
ईश्वरवाद की व्याख्या कीजिये। यह एकेश्वरवाद से कैसे अलग है ?

Unit-II

8. Are the attributes of God limitize his existence? If no then, how do the attributes match with this indescribable existence.
क्या ईश्वर के गुण उसके अस्तित्व को सीमित कर देते हैं ? यदि नहीं तो उसके गुणों को उसके अवर्णनीय अस्तित्व से संगति कैसे होती है ?

Or

Explain the nature of Evil. How does religion answer the problem of Evil?

अशुभ के स्वरूप को समझाइये। धर्म अशुभ की समस्या का उत्तर किस तरह देता है ?

Unit-III

9. Explain the concept of a World Religion. Critically examine its possibility.

एक विश्व धर्म के प्रत्यय को समझाइये। इसकी संभावना का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।

Or
Discuss Yung's view of Religion.
धर्म की युगवादी व्याख्या की विवेचना कीजिये।